पंजाब केसरी
FRI,16 MAY 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 6

ऑप्रेशन सिंदूर नारी का सम्मान : प्रो. सुदेश

गोहाना, 15 मई (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा गुरुवार को ऑप्रेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश के नेतृत्व में आयोजित तिरंगा यात्रा में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया।

भारतीय सशस्त्र बलों को नमन करते हुए प्रो. सुदेश ने कहा कि यह बदलता भारत है, अब आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पी.एम. नरेंद्र मोदी का लक्ष्य आतंकवाद मुक्त और भय मुक्त भारत का है। अब भारत में आतंकवाद पर जीरो टॉलरैंस नीति लागू है।

वी.सी. ने कहा कि पहलगाम में हुए नरसंहार के बदले भारतीय सेना का ऑप्रेशन सिंदूर नारी का सम्मान है। जिस तरह ऑप्रेशन सिंदूर को महिला सैन्य अधिकारियों ने लीड किया, वह सभी को गौरवान्वित करने वाला है।

प्रो. सुदेश ने कहा कि महिला विश्वविद्यालय की हर छात्रा खुद को व्योमिका सिंह और सोफिया कुरैशी के रूप में देखती है। इस मौके पर महिला विश्वविद्यालय का परिसर भारत माता की जय, जय हिंद, भारत की शान तिरंगा-भारत की आन तिरंगा, जय हिंद की सेना के नारों से गूंज उठा।

तिरंगा यात्रा में रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव, छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह, यूथ वैल्फेयर की निदेशक डॉ. सुषमा जोशी, एन.एस.एस. को-ऑर्डिनेटर डॉ. बबीता आदि शामिल रहे।

महिला विश्वविद्यालय में निकली तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

पंजाब केसरी
FRI,16 MAY 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

जब तक सीखना नहीं चाहेंगे, कोई सिखा नहीं सकता : पांडेय

प्रतिभागियों में प्रमाणपत्र वितरित करते हुए प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

गोहाना, 15 मई (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के रिसर्च केंद्र व डॉक्टरल स्टूडियो ओमप्रकाश जिंदल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के तत्वावधान में महिला विश्वविद्यालय में 7 दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। महिला विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के लिए अनुसंधान पद्धति को बढ़ावा देने के लिए आयोजित इस कार्यशाला के समापन सत्र की मुख्य अतिथि वी.सी. प्रो. सुदेश रहीं।

संयोजन डॉ. अंशु भारद्वाज और प्रो. के.के. पांडेय ने किया। प्रो. पांडेय ने कहा कि रिसर्च में सामाजिक प्रभाव होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां हर काम में आती है, लेकिन चुनौतियों से पार पाना ही संघर्ष है और संघर्ष ही असल जीवन है। प्रो. पांडेय ने कहा कि जब तक आप सीखना नहीं चाहेंगे, तब तक कोई आपको सिखा नहीं सकता।

प्रो. सुदेश ने कहा कि अनुसंधान एक ऐसा प्रयत्न है जिसमें नए ज्ञान की खोज तथा उपलब्ध ज्ञान में परिवर्तन करना होता है। शोध पद्धति का उद्देश्य, शोध के प्रति आपके दृष्टिकोण के पीछे के तर्क को स्पष्ट करना है। वी.सी. ने कहा कि शोध पद्धति एक विशिष्ट शोध समस्या के अध्ययन के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीक और प्रक्रियाओं का एक व्यवस्थित और तर्कसंगत तरीका है।

वी.सी. ने कहा कि यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा शोधकर्त्ता अपने शोध के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त उपकरण और वीडियो का चयन करता है।

सेना का ऑपरेशन सिंदूर नारी का सम्मान : प्रो. सुदेश

गोहाना मुद्रिका, 15 मई : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश के नेतृत्व में आयोजित तिरंगा यात्रा में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया।

भारतीय सशस्त्र बलों को नमन करते हुए प्रो. सुदेश ने कहा कि यह बदलता भारत है, अब आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पी.एम. नरेंद्र मोदी का लक्ष्य आतंकवाद मुक्त और भय मुक्त भारत का है। अब भारत में आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीति लागू है।

वी.सी. ने कहा कि पहलगाम में हुए नरसंहार के बदले भारतीय सेना का ऑपरेशन सिंदूर नारी का सम्मान है। जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर को महिला सैन्य अधिकारियों ने लीड किया, वह सभी को गौरवान्वित करने वाला है।

प्रो. सुदेश ने कहा कि महिला विश्वविद्यालय की हर छात्रा खुद को व्योमिका सिंह और सोफिया कुरैशी के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हमारी सेना देश की रक्षा करती है, हमें भी समाज में रहकर सेना के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए। कोई भी ऐसा काम न करें जो देश को कमजोर करे। इस मौके पर महिला विश्वविद्यालय का परिसर भारत माता की जय, जय हिंद, भारत की शान तिरंगा- भारत की आन तिरंगा, जय हिंद की सेना के नारों से गूंज उठा। तिरंगा यात्रा में रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव, छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो श्वेता सिंह, यूथ वेलफेयर की निदेशक डॉ सुषमा जोशी, एन.एस.एस. कोऑर्डिनेटर डॉ. बबीता आदि मौजूद रहे।

जब तक सीखना नहीं चाहें, कोई सिखा नहीं सकता

गोहाना मुद्रिका, 15 मई : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के रिसर्च केंद्र व डॉक्टरल स्टूडियो ओमप्रकाश जिंदल यूनिवर्सिटी,सोनीपत के तत्वावधान में महिला विश्वविद्यालय में सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। महिला विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के लिए अनुसंधान पद्धति को बढ़ावा देने के लिए आयोजित इस कार्यशाला के समापन सत्र की मुख्य अतिथि वी.सी. प्रो. सुदेश रहीं।

संयोजन डॉ. अंशु भारद्वाज और प्रो. के.के. पांडेय ने किया।प्रो. पांडेय ने कहा कि रिसर्च में सामाजिक प्रभाव होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां हर काम में आती है, लेकिन चुनौतियों से पार पाना ही संघर्ष है और संघर्ष ही असल जीवन है। प्रो पांडेय ने कहा कि जब तक आप सीखना नहीं चाहेंगे, तब तक कोई आपको सीखा नहीं सकता।

प्रो. सुदेश ने कहा कि अनुसंधान एक ऐसा प्रयत्न है जिसमें नए ज्ञान की खोज तथा उपलब्ध ज्ञान में परिवर्तन करना होता है। शोध पद्धति का उद्देश्य, शोध के प्रति आपके दृष्टिकोण के पीछे के तर्क को स्पष्ट करना है। वी.सी. ने कहा कि शोध पद्धति एक विशिष्ट शोध समस्या के अध्ययन के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीक और प्रक्रियाओं का एक व्यवस्थित और तर्कसंगत तरीका है। वी.सी. ने कहा कि यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा शोधकर्ता अपने शोध के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त उपकरण और वीडियो का चयन करता है।

गोहाना। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश।

ये बदलता भारत जो आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा : वीसी

■ ऑपरेशन सिंदूर : शहीद सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) खानपुर कलां में गुरुवार को छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का नेतृत्व विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने किया। इस यात्रा में विवि के अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर शहीद सैनिकों को नमन किया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह बदलता भारत है जो आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य आतंकवाद मुक्त और भय मुक्त भारत का है। अब भारत में आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीति लागू है। प्रो. सुदेश ने कहा कि पहलगाम में हुए नरसंहार के बदले भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर का चलाना नारियों के लिए सम्मान की बात है। ऑपरेशन को महिला सैनी व्योमिका सिंह और सोफिया कुरैशी ने लीड किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह हमारी सेना देश की रक्षा करती है, हमें भी समाज में रहकर सेना के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए। यात्रा में कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह, निदेशक युथ वेलफेयर डॉ. सुषमा जोशी, एनएसएस को-ऑर्डिनेटर डॉ. बबिता व सैकड़ों की संख्या में छात्राएं शामिल रहीं।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करतीं कुलपति प्रो. सुदेश, साथ में अधिकारी ● सौ. प्रवक्ता

'यह बदलता भारत है जो आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा'

जासं, गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा ऑपरेशन सिंदूर में बलिदान हुए सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व कुलपति प्रो. सुदेश ने किया, जिसमें विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी और छात्राएं शामिल रहीं। प्रो. सुदेश ने कहा कि यह बदलता भारत है जो आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि आपरेशन सिंदूर को महिला सैन्य अधिकारियों ने लीड किया, जो हर भारतीय के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह, निदेशक यूथ वेलफेयर डा. सुषमा जोशी, एनएसएस समन्वयक डा. बबिता सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में कार्यशाला आयोजित

गोहाना, 15 मई (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के रिसर्च केंद्र व डॉक्टरल स्टूडियो ओमप्रकाश जिंदल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के तत्वाधान में महिला विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का आज समापन हो गया। इस कार्यशाला के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का सयोंजन विश्वविद्यालय सवालम्ब केद्रं की निदेशक डॉ. अंशु भारद्वाज व ओ पी जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय से प्रो. के. के.पांडेय ने किया।

सार्वजनिक सूचना

बीपीएस महिला विवि में निकाली तिरंगा यात्रा

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद जवानों के सम्मान में निकाली गयी यात्रा

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग की ओर से ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुदेश के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा में विवि के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। विवि परिसर भारत माता के जयकारों, भारत की शान तिरंगा, भारत की आन तिरंगा, जय हिंद सेना के नारों से गूंज उठा।

भारतीय सशस्त्र बलों को नमन करते हुए कुलपति ने कहा कि यह बदलता भारत है। अब आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य आतंकवाद व भयमुक्त भारत का है।

अब भारत में आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीति लागू है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बदले भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर नारियों के लिए सम्मान की बात की है।

जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर को महिला सैन्य अधिकारियों ने लीड किया, वह सभी को गौरवान्वित करने वाला है।

सोनीपत के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में तिरंगा यात्रा में भाग लेती कुलपति प्रो. सुदेश व स्टाफ सदस्य। स्रोत : विवि

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की हर छात्रा खुद को व्योमिका सिंह और सोफिया कुरैशी के रूप में देखती हैं। जिस तरह सेना देश की रक्षा करती है, हमें भी सेना के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए। हर नागरिक में राष्ट्र भक्ति का जज्बा होना चाहिए। यात्रा में कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह, यूथ वेलफेयर के निदेशक डॉ. सुषमा जोशी, एनएसएस समन्वयक डॉ. बबीता मौजूद रहीं।